जलगाँव तहसील की जनसंख्या-एक भौगोलिक अध्ययन २०००-२००५

POPULATION OF JALGAON TAHSIL – A GEOGRAPHICAL STUDY 2000-2005

*Prof. Vijay R. Baviskar

B.P. Art's, S.M.A, Science & K.K.C. Commerce College, Chalisgaon Dist. Jalgaon

**Prof. Dr. S. M. Lawande

Y.N. Chavhan Art's, Science & Commerce College, Chalisgaon Dist. Jalgaon

प्रस्तावना :-

मनुष्य इस प्रथ्वी पर सर्वोच्च है और भौगोलिक विश्लेषण का केन्द्र बिंदु है। मानव की अनुपस्थिती में प्रकृति संसाधन विहीन ह। संसाधन का निर्माता उपभोक्ता तथा आवश्यकतानुसार परिवर्तन करने वाला मानव ही है। अतः इसका अध्ययन शोध का एक प्रमुख विषय हो सकता है। अध्ययन मानव संसाधन पर ही आधारित है।

अध्ययन का विषय जलगाँव तहसील का क्षेत्र रखा गया है। इसको तहसील स्तर पर जनसंख्या अध्ययन वितरण, घनत्व, समस्या तथा जनसंख्या संबंधी विभिन्न पक्षों पर भली-भांती प्रकाश डाल सकता है।

सांस्कृतिक भू-दृश्य में जनसंख्या को एक महत्त्वपूर्ण घटक माना गया है। जनसंख्या को दो वर्गों में वर्गीकृत किया जा सकता है -

प्रथम वह जनसंख्या जो गाँव मे रहती है तथा प्राथमिक उत्पादन में संलग्न हो, ग्रामीण जनसंख्या की श्रेणी में आती है। द्वितीय नगर एवं कस्बों मे रहने वाली जनसंख्या जिनका आर्थिक कार्य द्वितीयक, तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम वर्ग ही सेवाओं से संबंधीत होता है।

प्रादेशिक वितरण के रूप में जनसंख्याओं में विषमताएँ स्वष्ट देखने को मिलती है। इसे ध्यान में रखकर वर्तमान अध्ययन का प्रयास किया गया है मेरे सत्र-पत्र का शीर्षक जलगाँव तहसील की जनसंख्या विशेषताओंक का भौगोलिक अध्ययन है।

अध्ययन का उद्देश्य :-

इस अध्ययन के उद्देश्य निम्न है-

१. वर्ष २००१ की जनसंख्या वृध्दि दर का मापन करना तथा जनसंख्या विशेषताओं की वर्तमान स्थिती का विश्लेषण करना।
२. जनसंख्या घनत्व, लिंग अनुपात, साक्षरता, व्यवसायिक संरचना आदि का विश्लेषण करना।

अध्ययन क्षेत्र :- प्रस्तुत अध्ययन क्षेत्र जलगाँव तहसील के जनसंख्या विशेषताओं का भौगोलिक विश्लेषण को लिया गया है

आंकडों का स्त्रोत :–

समस्त जनसंख्या संबंधी नामक स्त्रोत से लिये गये है। जिसका एकत्रीकरण

1) Census of India (1991) District Census Handbook, Jalgaon 1991
2) Census of India (2001) Primary Census Abstract Maharashtra and Goa, 2001.
3) Gazeteers of India (1991) Government of Maharastra, Jalgaon District.
4) RCH (2) DLHS (2000) Reproductive Child Health Project- Jalgaon, International Institute for population Sciences, Mumbai.
5) Socio-Economic Reviews and Statistical Abstract of Jalgaon District (2004-2005)

अध्ययन विधि :–

१. जनसंख्या वृध्दि में स्थानिक प्रतिरूप का मात्राल्य मापन किया गया है। जनसंख्या का भौगोलिक अध्ययन किया गया।

२. जनसंख्या वृध्दि घनत्व, लिंग अनुसार जनसंख्या वितरण प्रतिरूप

३. ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या वृध्दि वितरण प्रतिरूप।

जलगाँव तहसील : स्थिति एवं विस्तार :–

जलगाँव तहसील महाराष्ट्र के उत्तर में स्थित है और इसका अक्षांशीय विस्तार २०° उत्तर से २१° २५'' उत्तरी अक्षांश व देशांतर विस्तार ७४° ५०'' पूर्वी देशांतर से ७६ २८'' पूर्वी देशांतर है। तहसील की समुद्र तल से ऊँचाई १७५ मीटर है। जलगाँव तहसील के उत्तर में चोपडा, यावल तहसील, उत्तर पूर्व में अमलनेर तहसील है।

धरातयीलय विशेषताएँ :–

जलगाँव तहसील का अधिकांश भाग ताप्ति घाटी के मैदानी क्षेत्र में आता है। घाटी के उत्तर में सतपूडा पर्वत श्रेणी में है।

जलवायु संबंधी दशाँए :–

तापमानः–

तापमान के वितरण का सीधा संबंध समुद्र तथा अक्षांशीय स्थिति से होता है। समुद्र के निकटवर्ती क्षेत्र में तापमान कम तथा समुद्र से दूर जाने पर तापमान अधिक होता है। मार्च माह में तापमान बढता जाता है। सूर्य के दक्षिणी गोलार्ध्द में आते ही तापमान में गिरावट होने लगती है।

वर्षा :–

जलगाँव तहसील में मानसून वर्षा होती है। यहां वर्षा अधिकांत मध्य जून से सितम्बर माह के बीच होती है। वर्ष के अन्य महिनों में अत्यन्त कम वर्षा होती है।

मिट्टी :–

जलगाँव तहसील में अधिकतर तीन प्रकार की मिट्टी पायी जाती है।

१. **काली मिट्टी**

२. **मध्यकाली मिट्टी**

३. **कंकरीली मिट्टी**

यहाँ के सतपूड़ा पहाडी प्रदेश में कंकरीली मिट्टी पायी जाती है। परंतु तहसील में अधिकतर काली मिट्टी मिलती है। जलगाँव तहसील में दक्षिण पूर्वी भाग में यह मिट्टी पायी जाती है।

वनस्पति :

जलगाँव तहसील में वनों का वितरण असमान कहीं सघसन एवं कहीं विरल। यहां पर पतझड वाले मानसून वनों की पत्तियों वर्ष में एक बार पूरी तरह गिर जाती है। एवं उनके स्थान पर नये पत्ते आते है। यहां पर मुख्य रूप से आम, नीम, महुॅआ, करोंदास, सागवान, सलाई, अंजन, बैर आदि वृक्ष पाये जाते है।

कृषि :–

भारत एक कृषि प्रधान देश है। जलगाँव तहसील का मुख्य व्यवसाय कृषि है। यहां की कृषि वर्षा वर निर्भर करती है। जलगाँव तहसील में वर्षा पर आधारित फसलें अधिक पैदा की जाती है। यहां ८७ प्रतिशत फसलें खरीब की पैदा की जाती है। जो वर्षा पर निर्भर करती है।

जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले तत्व :–

जलगाँव तहसील में जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारकों को दो भागों में विभाजित कर सकते है।

१. **भौगोलिक कारक**

२. **सांस्कृतिक कारक**

१. भौगोलिक कारक :

प्राकृतिक तत्व में धरातल, जलवायु, प्राकृतिक संसाधनों की प्राप्ती आदि का जनसंख्या के वितरण प्रणाली पर बहुत प्रभाव डालता है।

अ. स्थलीय बनावट :–

जलगाँव तहसील में धरातल की बनावट सममतल है। सममतल मैदानी भाग होने के कारण यहां जनसंख्या अधिक पाई जाती है।

ब. जलवायु :–

जलसंख्या का निर्धारण करने वाले तत्वों में सबसे महत्वपूर्ण कारक जलवायु है किसी स्थान के निवासी उस स्थान की जलवायु से सीधा संबंध रखते है। जलवायु दो प्रकार से जनसंख्या के वितरण तथा घनत्व को प्रभावित करती है। जहॉ औसत वर्षा ७२४ से.मी. अधिक होती है, जहॉ साल में दो फसलें सम्भव हो जाती है तो वहां भूमि की जनसंख्या वहन क्षमता बढ जाती है।

क. प्राकृतिक संसाधन :

जहॉ खनीज पदार्थ जल तथा वन संसाधन प्रचुर मात्रा में पाये जाते है, वहॉ जनसंख्या का केन्द्रीयकरण हुआ है तथा जलसंख्या वृध्दि भी हुई है। वनों से उत्पादित पदार्थों से भी कई उद्योगों का विकास सम्भव है जिनसे अधिक लोगों को रोजगार प्राप्त होता है वहॉ जनसंख्या का केन्द्रीयकरण पाया जाता है।

ड. उद्योग तथा यातायात :

ये दोनो आवास में अंत संबंधीत होते है। जहॉ उद्योगों का विकास अधिक हुआ है, वहॉ यातायात भी प्रचुर मात्रा में होता है। परिणामतः जनसंख्या भी वहॉ अधिक मात्रा में आकर्षित होती है।

२. सांस्कृतिक कारक :–

अ. सामाजिक व धार्मिक कारण :–

सामाजिक व धार्मिक रिती–रिवाजों में जकडे होने करीण समाज में अब भी बालविवाह, बहुपत्नि प्रथा, संयुक्त परिवार में निवास व निम्न जीवन स्तर और पुत्र जन्म की तीव्र लालसा जैसी बातें लोगो को मस्तिष्क में रच–बस गइै है, जो जनसंख्या के वितरण पर सीधा प्रभाव डालती है।

ब. **राजनीतिक कारण :**

ऐसे स्थानों पर लोग निवास करना उचित नहीं समझते है, जहाँ पर सरकारी संरक्षण नहीं होता व लोगो का जीवन सुरक्षित नहीं है।

क. स्थानांतरण :

कभी–कभी अकाल, बीमारी, युध्द व प्राकृतिक प्रकोप के कारण लोगों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर बडी मात्रा में स्थानान्तरण होता है।

उपरोक्त कारक जनसंख्या को प्रभावित करते है । लेकिन कोई एक विशेष कारक इस असमानताऍ के लिए उत्तरदायी नहीं है। बहुत सारे कारक मिलतकर ही जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करते करते है व जन स्थानांतरण को प्रभावित करते है।

जलगाँव तहसील में जनसंख्या वितरण प्रतिरूप एवं जनसंख्या वृध्दि :–

जलगाँव तहसील में जनसंख्या वितरण प्रतिरूप में जलगॉव तहसील में जनसंख्या वितरण ३०५ हजार है।

२००३ में कुल जनसंख्या कर वितरण प्रतिरूप : २००१ में जलगाँव जिलें में जनसंख्या १९,२९,९५४ है जिसमें जलगाँव में ३,०४,८११ है। जलगाँव तहसील में कुल जनसंख्या का प्रतिशत १९.९४ है।

२००१ में ग्रामीण जनसंख्या का वितरण प्रतिरूप : जलगाँव जिले में जलगाँव तहसील में कुल ग्रामीण जनसंख्या १,६०,८३१ है। जिसका कुल प्रतिशत २२.१ है।

सारणी क्रमांक १

जलगाँव तहसील में ग्रामीण स्त्री–पुरूष वितरण अभिरूप २००१

तहसील	पुरूष	स्त्री	योग	पुरूष प्रतिशत	स्त्री प्रतिशत	कुल ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत
जलगाँव	१०३६४९	९१८२	२००८३१	३४.०३	३१.९१	८८

स्त्रोत :Socio-Economic Reviews and statistical abstract of Jalgaon district 2004-05

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि तहसील में ग्रामीण जनसंख्या ६५.८८ प्रतिशत है । इसके अंतर्गत महिला का ३१.९१ प्रतिशत का पुरूषका ३४.०३ प्रतिशत है ।

२००१ में नगरीय जनसंख्या वितरण प्रतिरूप :

जलगाँव तहसील में कुल जनसंख्या १,०३,९८ है ।

सारणी क्रमांक २

जलगाँव तहसील में नगरीय जनसंख्या स्त्री–पुरूष वितरण प्रतिरूप २००१

तहसील	पुरूष	स्त्री	योग	पुरूष प्रतिशत	स्त्री प्रतिशत	कुल ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत
जलगाँव	५४२३६	४९७४४	१०३९८०	१७.७९	१६.३१	८४.११

स्त्रोत :Socio-Economic Reviews and statistical abstract of Jalgaon district 2004-05

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि जलगाँव तहसील में नगरीय में नगरीय जनसंख्या का ३४.११ प्रतिशत है। इसके अंतर्गत महिला का १६.३१ प्रतिशत व पुरूष का १७.७९ प्रतिशत है।

अनुसूचित जाति की कुल जनसंख्या वितरण प्रतिरूप :

सारणी क्रमांक ३

जलगाँव तहसील में अनुसूचित जाति की जनसंख्या स्त्री–पुरूष वितरण प्रतिरूप २००१

तहसील	पुरूष	स्त्री	योग	पुरूष प्रतिशत	स्त्री प्रतिशत	कुल ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत
जलगाँव	१३२७७	१२४०८	२५६८५	५१.६९	४८.३०	११.०५

स्त्रोत :Socio-Economic Reviews and statistical abstract of Jalgaon district 2004-05

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि जलगाँव तहसील में अनुसूचित जाति का ११.०५ प्रतिशत है इसके अंतर्गत महिलाओं का ४८.३० प्रतिशत है और पुरूष का ५१.६९ प्रतिशत है।

अनुसूचित जनजाति की कुल जनसंख्या वितरण प्रतिरूप :

सारणी क्रमांक ४

जलगाँव तहसील में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या स्त्री–पुरूष वितरण प्रतिरूप २००१

तहसील	पुरूष	स्त्री	योग	पुरूष प्रतिशत	स्त्री प्रतिशत	कुल ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत
जलगाँव	१५७०६	१४६२१	३०३२७	५१.७८	४८.२१	१३.०२

स्त्रोत :Socio-Economic Reviews and statistical abstract of Jalgaon district 2004-05

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि जलगाँव तहसील में अनुसूचित जनजाति का १३.०२ प्रतिशत है इसके अंतर्गत पुरूष का ५१.७८ प्रतिशत है और महिलाओं का ४८.२१ प्रतिशत है।

जलगाँव तहसील :

घनत्व, आयुवर्ग, लिंग, अनुपात शैक्षणिक स्तर वर्ष २००१ की जनगणना के अनुसार तहसील का औसतन घनत्व २३६ व्यक्ति प्रतिवर्ग कि.मी है। यह घनत्व निश्चय ही महाराष्ट्र राज्य २००१ के जनघनत्व १९१ से अधिक है किंतु हमारे देश के जनघनत्व ३२४ व्यक्ति प्रतिवर्ग कि.मी. से कम है।

जलगाँव तहसील की २००१ के अनुसार विभिन्न आयु वर्गों में

आयुवर्ग	जनसंख्या	कुल जनसंख्या का प्रतिशत
२० वर्ष तक	११९०८६७	५८.५०
२०–४०	५७९५९८	२८.६०
४०–६०	१०८४१६	५.५०
६० वर्षों से अधिक	१४९०८४	७.४०
योग	२०२७६५	१००

स्त्रोत :Socio-Economic Reviews and statistical abstract of Jalgaon district 2004-05

उक्त तालिका से हमें ज्ञान होता है कि जनसंख्या का सबसे बडा सबसे छोटे आयुवर्ग का है। २० वर्ष तक जनसंख्या क्षेत्र की जनसंख्या ५८.१ प्रतिशत है।

लिंगानुसार जनसंख्या :–

जलगाँव तहसील की सन २००१ की जनगणना के अनुसार जनसंख्या ३०४८११ है। यहाँ एक हजार पुरूषों के पीछे ९२७ स्त्रियॉ है। राज्य २००१ की जनगणना में यह अनुपात प्रति हजार पुरूषों के पीछे ९३६ स्त्रियां है तथा देश में प्रति एक हजार पुरूषों के पीछे ९३ स्त्रिया है।

शैक्षणिक स्तर व साक्षरता :–

जलगॉव तहसील की जनगणना २००१ के अनुसार तहसील में कुल जनसंख्या ३०४८११ है। २००१ की जनगणना के अनुसार साक्षरता का प्रतिशत ३४.१२ है। वर्तमान शैक्षणिक स्थिती काफी अच्छी होने से भविष्य में काफि अच्छी होने से भविष्य में काफि परिवर्तन होने की संभावना है। जिले में साक्षरता का प्रतिशत ४१.२३ है । प्रत्येक प्रदेश में ५९ है।

उपरोक्त विश्लेषण से ज्ञात होता है कि शैक्षणिक दृष्टीकोण में सुधार की आवश्यकता है।

जलगॉव तहसील की व्यावसायिक संरचना :

जलगॉव तहसील में सतपूडा पहाडी प्रदेश में कंकरीली मिट्टी पायी जाती है। मध्य काली मिट्टी, कंकरीली मिट्टी, पिली मिट्टी पायी जाती है। कृषि योग्य भूमि होने के कारण यहॉ की अधिकांश जनसंख्या कृषि कार्य में ४७ प्रतिशत हैं। यहां का मुख्य व्यवसाय कृषि है। यहॉ की कृषि मुख्यतः वर्षा पर आधारित वर्षा पर आधारित है । जलगॉव तहसील में कार्यशील जनसंख्या में महिला का ३०.०१ प्रतिशत व पुरूषों का ५०.७० प्रतिशत है। यहाँ की कार्यशील जनसंख्या ८०.७१ प्रतिशत जनसंख्या प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से कार्य में लगी है।

निष्कर्ष :

प्रस्तुत शोध पत्र में विभिन्न दृष्टिकोण से जलगॉव तहसील की जनसंख्या का अध्ययन करने के उपरांत निम्नांकित निष्कर्ष हमारे सम्मुख हैं–

१. जिले की कुल जनसंख्या में से १९.९२ प्रतिशत जनसंख्या जलगॉव तहसील में निवास कर रही है।

२. २००१ की जनगणना के अनुसार जलगॉव तहसील का जनसंख्या घनत्व २३६ व्यक्ति प्रतिवर्ग किलो मीटर है। जो निश्चित ही राज्य का जनसंख्या घनत्व १९६ व्यक्ति प्रतिवर्ग किलो मीटर से अधिक है इस अधिक जनसंख्या का कारण सममतल भूमि एवं उपजाऊ भूमि है।

३. जलगॉव तहसील में साक्षरता ३४.१३ प्रतिशत है। अतः ग्रामीण जनसंख्या होने से महिलाओं को साक्षर बनाने के उपाय किये जाना चाहिए।

४. जलगॉव तहसील में ग्रामीण जनसंख्या ६५.८८ प्रतिशत व नगरीय जनसंख्या का ३४.१२ प्रतिशत है।

५. अतः ग्रामीण जनसंख्या ३१.७६ प्रतिशत नगरीय जनसंख्या से अधिक है। जलगाँव मे १९.८८ कृषि कार्यो में लगी है। मुख्य रूप से २८.८० प्रतिशत जनसंख्या कार्यशील है। बाकि कुल मिलाकर ५९ प्रतिशत जनसंख्या कार्यो मे लगी है। बाकि सब शिक्षा में लगी है।

६. कुल जनसंख्या का ५९ प्रतिशत जनसंख्या मुख्य रूप से कार्यशील जनसंख्या है इसमें से २० प्रतिशत जनसंख्या कृषि कार्यो में लगी है।

७. जलगॉव में पुरूष में पुरूष स्त्री अनुपात १०००:९२७ है जो कि संतुलन में दर्शाता है।

८. जलगॉव तहसील में सन् १९९१ से २००१ दस वर्षीय वृध्दि दर २३.६८ प्रतिशत जनसंख्या में वृध्दि हुई है।

अगर इस प्रकार से जनसंख्या वृध्दि होती रही तो आनेवाले समय में काफी किल्लतों का सामना करना पडेगा।

अतः जनसंख्या नियंत्रण करना अत्यन्त आवश्यक हैं।

उपरोक्त निष्कर्षों को देखते हुए कहा जा सकता है कि प्रस्तुत तहसील में शुरू के दशको में जनसंख्या वृध्दि मध्य गति से हुई थी वहीं अन्तिम दो दशको में जनसंख्या की वृध्दि तेजी से हुई है। अतः जनसंख्या की इस वृध्दि को रोका नही गया तो कृषि भूमि की भरण–पोषण क्षमता के बाहर जनसंख्या हो जाएगी तब अनेक समस्याऐ एकसाथ उठ खडी होगी।

REFERENCE

1. Bhatt, S.C. (1998) : District Gazetteers of India, Vol. 7, Gyan publishing House, New Delhi.

2. Karlekar S. & Kale, M. (2007) : Research Method in Geography, Dimond Publication, Pune. (Marathi)

3. Patil, R.N. & Lalitendu, J. (1991) : Tribal Demography in India Ashish Publishing House, New Delhi.

Government Publication :

1. Census of India (1991) District Census Handbook, Jalgaon 1991
2. Census of India (2001) Primary Census Abstract Maharashtra and Goa, 2001.
3. Gazeteers of India (1991) Government of Maharastra, Jalgaon District.
4. RCH (2) DLHS (2000) Reproductive Child Health Project- Jalgaon, International Institute for population Sciences, Mumbai.
5. Socio-Economic Reviews and Statistical Abstract of Jalgaon District (2004-2005)